DR. SUMAN LAL RAY
Guest Assistant Professor
Deptt. Of Sanskrit
S.R.A.D. College, Bala Chakia
BRABU — Muzaffarpur

B.A. (Hons.) Part — I
Subject — Sanskrit
Paper — I

5X3 = 15 Marks

कारक-सूत्र व्याख्या

32. सर्वनाम्नस्तृतीया च (2/3/27)

सर्वनाम शब्द यदि हेतु हो और हेतु शब्द का भी प्रयोग हो तो सर्वनाम शब्द से तृतीया विभक्ति होती है और षष्ठी भी। यथा- केन हेतुना वसति, कस्य हेतोः वसति (किस कारण रहता है) - यहाँ 'किम्' सर्वनाम हेतु बतलाता है और उसके साथ 'हेतु' का प्रयोग है। अतः 'किम्' शब्द से तृतीया विभक्ति आयी और षष्ठी भी। 'हेतुना' और 'हेतोः' से समानाधिकरण विशेष्य — विशेषणभाव होने के कारण क्रमशः तृतीया और षष्ठी आयी।